

2 कंपनी समाचार

संक्षेप में

आईटीसी से 3,896

करोड़ रुपये का लाभांश

ब्रिटिश अमेरिकन टोबैको (बीएटी) से जुड़ी दो इकाइयों को वित्त वर्ष 2025-26 में भारतीय समूह आईटीसी से कुल 3,895.74 करोड़ रुपये का लाभांश प्राप्त हुआ है। आईटीसी की नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है।रिपोर्ट के अनुसार बीएटी का आईटीसी में रणनीतिक निवेश तीन इकाइयों (टोबैको मैन्युफैक्चरर्स (इंडिया) लिमिटेड (टीएमआई), मैड्लेटन इन्वेस्टमेंट कंपनी लिमिटेड और रॉथमेन्स इंटरनेशनल एंटरप्राइज लिमिटेड) के माध्यम से है। आईटीसी ने वित्त वर्ष 2025-26 में टीएमआई और मैड्लेटन इन्वेस्टमेंट कंपनी को कुल 3,895.75 करोड़ रुपये का लाभांश दिया, जबकि वित्त वर्ष 2024-25 में यह आंकड़ा 4,238.93 करोड़ रुपये था। इस प्रकार इसमें लगभग 8.1 प्रतिशत की सालाना गिरावट दर्ज की गई।

भाषा

प्रेस्टीज ग्रुप :करोड़ों रु का गैर-मान्य राजस्व

रियल एस्टेट क्षेत्र की कंपनी प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड का गैर-मान्य राजस्व लगभग 65,000 करोड़ रुपये है। प्रेस्टीज एस्टेट्स प्रोजेक्ट्स लिमिटेड ने कहा कि पिछले तीन वित्त वर्षों के दौरान कंपनी की आवासीय संपत्तियों की मजबूत बिक्री के दम पर यह आंकड़ा हासिल हुआ है। प्रेस्टीज एस्टेट्स ने वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान 30,024 करोड़ रुपये की रिकॉर्ड बिक्री बुकिंग हासिल की है, जो इससे पिछले वर्ष की तुलना में 76 प्रतिशत अधिक है। प्रेस्टीज एस्टेट्स के चेयरमैन इरफान रजाक ने कहा, ‘हमारे बही खाते में करीब 65,000 करोड़ रुपये का गैर मान्य प्राप्त राजस्व है। यह कोई छोटी रकम नहीं है।’

भाषा

फ्यूजन सीएक्स करेगी 100 करोड़ रु का निवेश

ग्राहक अनुभव और बिजनेस प्रोसेस सॉल्यूशंस (बीपीओ) सेवाएं उपलब्ध कराने वाली बहुराष्ट्रीय कंपनी फ्यूजन सीएक्स पश्चिम बंगाल में अगले तीन साल में 100 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी यू टाउन स्थित बंगाल सिलिकन वैली प्रौद्योगिकी केंद्र में आईटी एवं आईटीईएस परिसर स्थापित करेगी। कोलकाता की कंपनी ने बयान में कहा कि उसने एक्शन एरिया-2 में 1.06 एकड़ भूमि प्राप्त कर ली है।

भाषा

PRUDENT ARC LIMITED

</

	बजाज फाइनेंस लिमिटेड	
पंजीकृत कार्यालय: बजाज फाइनेंस लिमिटेड सी/ओ बजाज अंटी लिमिटेड कॉम्प्लेक्स, मुंबई – पुणे रोड, अरुन्धी, पुणे-411035		
शाखा कार्यालय: बजाज फाइनेंस लिमिटेड, एम ए बिजनेस सेंटर वित्तियनगर स्क्वायर के पास, सी 21 मॉल के सामने, इंदौर – 452011		
कब्जा सूचना (अचल सम्पत्ति हेतु)		
(प्रतिभूति हित प्रवर्तन नियम, 2002 के नियम 8(1) के साथ पठित परिशिष्ट IV के अनुसार)		
जबकि अधोहस्ताक्षरी ने वित्तीय आसिर्णों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्वितरण अधिनियम, 2002 के अंतर्गत बजाज फाइनेंस लिमिटेड (बीएफएल) का प्राधिकृत अधिकारी होने के नाते तथा प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 3 के साथ पठित धारा 13(12) के तहत प्रदात शक्तियों का प्रयोग करते हुए उधारकर्ता/ सह-उधारकर्ता को प्राधिकृत अचल द्वारा नाम ("नोटिस") जारी किया था, जिसमें उक्त अधिनियम की धारा 13(2) के तहत नोटिस में उल्लिखित राशि को उक्त नोटिस की प्रतियों की तारीख से 60 दिनों की अवधि के भीतर चुकाने का आह्वान किया गया है।		
उधारकर्ता/ बंधककर्ता/ गारंटर उक्त राशि का भुगतान करने में असफल हो गये हैं इसलिए एकदमारा उधारकर्ता/ बंधककर्ता/ गारंटर तथा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नीचे हस्ताक्षरकर्ता ने प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 के साथ पठित उक्त अधिनियम की धारा 13(4) के अंतर्गत उन्हें प्रदात शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे विलिखित संपत्ति पर संकेतिक कब्जा ले लिया है।		
उधारकर्ता को विवेक रूप से और सर्वसाधारण को सामान्य रूप से चेतावनी दी जाती है कि वे निम्न सम्पत्तियों के साथ लेन-देन न करें तथा सम्पत्ति के साथ कोई भी लेन-देन बजाज फाइनेंस लिमिटेड के प्रभार वास्ते बकाया राशि एवं उस पर संविदात्मक दर पर भविष्य का व्याज इत्यादि सहित के अधीन होगा।		
उधारकर्ता का ध्यान एकदम की धारा 13 की उप धारा (8), के प्रावधानों के अंतर्गत सुरक्षित परिसंपत्तियों के मुक्त करने हेतु उल्लेख समया सीमा की ओर आकर्षित किया जाता है।		
ऋण खाता संख्या/ उधारकर्ता(ओं)/ बंधककर्ता(ओं)/ गारंटर(ओं) का नाम	सुरक्षित अचल सम्पत्ति का विवरण	धारा 13(2) के तहत सूचना की तिथि और धारा 13(2) के तहत सूचना राशि और कबो की तिथि
425SHL364193934 और 425SHL36418698 लक्ष्मी नारायण अग्रवाल (उधारकर्ता) पता:- प्लैट नंबर 201, 811 आर महालक्ष्मी नगर, पायनगर कॉलेज के पास, इंदौर, मध्य प्रदेश-452001	समस्त वह अंश एवं धारा, जोकि बहुमंजिला भवन के द्वितीय तल पर प्लैट संख्या 201, प्लॉट संख्या 811 / आर, महालक्ष्मी नगर, सेक्टर-आर, इंदौर, जिसका निमित्त क्षेत्रफल 1638 वर्ग फुट सीमाएँ:- पूर्व: प्लॉट संख्या 810 / आर, पश्चिम: प्लॉट संख्या 812 / आर, उत्तर: सड़क तथा दक्षिण: सामान्य मार्ग एवं प्लॉट संख्या 790 / आर	17-04-2026 रु. 23,64,496 / – (रु. तेईस लाख चौरास हजार चार सौ छियाब्ने मात्र) दिनांक 16.04.2026 तक
		कब्जा की तिथि: 25.06.2026

दिनांक 25.06.2026, स्थान : इंदौर

MAHINDRA RURAL HOUSING FINANCE LTD.					
Corporate Office:- Agasty Corporate Park, Piramal, Amiti Building, Unit No. 203, 2nd Floor, 9 Wing, Sunder Bung, Kuria West, Mumbai Maharashtra 400 070 India. CIN – U65922MH2007PLC09391 Branch Address:- Mahindra rural housing finance ltd, 1st floor, shja mhatra, near bhagwanwaji market, behind raja bhoj complex, plot no 11, tulsi vihar colony, bagmawaji Bhopal, madhya pradesh 462043.					
कब्जा सूचना (अचल संपत्ति के लिए) नियम 8(1) के अंतर्गत					
जबकि, अधोहस्ताक्षरी महिन्द्रा रूरल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के प्राधिकृत अधिकारी के रूप में, प्रतिभूतिकरण एवं वित्तीय परिसंपत्तियों का पुनर्विर्माण तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन अधिनियम, 2002 (SARFAESI अधिनियम, 2002) तथा उसके अंतर्गत बनाए गए सख्योरीटी इंस्ट्रुट (प्रवर्तन) नियम, 2002 के नियम 8 एवं 9 के साथ पठित धारा 13(12) द्वारा प्रदात शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबंधित उधारकर्ताओं को मांग सूचना जारी की गई थी, जिसमें उन्हें नोटिस प्राप्ति की तिथि से 60 (साठ) दिनों के भीतर नोटिस में उल्लिखित बकाया राशि का भुगतान करने हेतु निर्देशित किया गया था। जबकि उक्त उधारकर्ता निर्धारित अवधि के भीतर बकाया राशि का भुगतान करने में असफल रहे हैं, अतः अधोहस्ताक्षरी ने SARFAESI Act, 2002 की धारा 13(4) तथा नियम 8 के अंतर्गत प्रदात शक्तियों का प्रयोग करते हुए नीचे विलिखित सुरक्षित परिसंपत्ति का संकेतिक कब्जा ग्रहण कर लिया है। अतः संबंधित उधारकर्ताओं एवं आम जनता को एकदमारा सूचित एवं सावधान किया जाता है कि वे नीचे विलिखित सुरक्षित परिसंपत्ति के संबंध में किसी भी प्रकार का क्रय-विक्रय, हस्तांतरण, कब्जा, भार सूचना अथवा अन्य कोई अने-अने न करें। यदि कोई व्यक्ति उक्त संकेतिक कब्जा संबंध में कोई अने-अने करता है, तो वह महिन्द्रा रूरल हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड के पक्ष में नीचे उल्लिखित बकाया राशि, उस पर देय व्याज, लागत, प्रभार एवं अन्य देय राशियों के अधीन होगा।					
अ.क्र.	ऋणकर्ता/ गारंटर का नाम (शाखा का नाम)	सुरक्षित परिसंपत्ति (अचल संपत्ति) का विवरण	मांग सूचना की तिथि एवं राशि	कब्जा लेने की तिथि	कब्जा लेने की तिथि
1.	(FINOME 1742924 (XOAHIND000001742924) – भोपाल ऋणकर्ता : भीमरी साहू, श्री रामप्रवेश साहू पता : 08, भीमराव गणेशपुरी कॉलोनी, इंदौर, मध्य प्रदेश-453331	सभी भाग और टुकड़ा प्लॉट क्रमांक 98 के उत्तरी भाग (प्लॉट क्रमांक 98-बी) (मध्य प्रदेश) पर स्थित, सर्वे क्रमांक 89, 91/1, 91/2 एवं 92 की भूमि का भाग, गणेशपुरी कॉलोनी, ग्राम उत्तरिया, फेज क्रमांक 1, तहसील महु, जिला इंदौर (मध्य प्रदेश) सीमाएं निम्नानुसार : उत्तर : प्लॉट क्रमांक 99, दक्षिण : प्लॉट क्रमांक 98 का शेष भाग/ प्लॉट क्रमांक 98-ए, पूर्व : कॉलोनी रोड, पश्चिम : अन्य भूमि	मागणी सूचना तारीख 05-01-2026 रु. 17,92,31,93	23-06-2026 (संकेतिक कब्जा)	
2.	1743957 (XNHLHIND00000 1743957) – भोपाल ऋणकर्ता : भीमरी सुधा साहू, श्री रामप्रवेश साहू पता : 08, भीमराव गणेशपुरी कॉलोनी, इंदौर, मध्य प्रदेश-453331	सभी भाग और टुकड़ा प्लॉट क्रमांक 98 के उत्तरी भाग (प्लॉट क्रमांक 98-बी) (मध्य प्रदेश) पर स्थित, सर्वे क्रमांक 89, 91/1, 91/2 एवं 92 की भूमि का भाग, गणेशपुरी कॉलोनी, ग्राम उत्तरिया, फेज क्रमांक 1, तहसील महु, जिला इंदौर (मध्य प्रदेश) सीमाएं निम्नानुसार : उत्तर : प्लॉट क्रमांक 99, दक्षिण : प्लॉट क्रमांक 98 का शेष भाग/ प्लॉट क्रमांक 98-ए, पूर्व : कॉलोनी रोड, पश्चिम : अन्य भूमि	मागणी सूचना तारीख 05-01-2026 रु. 39,20,47.4	23-06-2026 (संकेतिक कब्जा)	
स्थल : भोपाल , तारीख : 29 / 06 / 2026					
साहि /- , अधिकृत अधिकारी, (महिन्द्रा रूरल हाउसिंग फायनंस लि.)					

जीएलपी-1 की जोरदार मांग के आगे पिछड़ रही उत्पादन क्षमता



विस्तार की होड़ फर्में

■ कई बाजारों में सेमाग्लूटाइड का पेटेंट खत्म होने के बाद आई उछाल

■ सेमाग्लूटाइड जैसी जीएलपी-1 दवाओं की जबरदस्त मांग से उद्योग के विनिर्माण बुनियादी ढांचे पर बढ़ गया है दबाव

■ उद्योग के अधिकारियों ने आगाह किया है कि आपूर्ति में तंगी कम से कम अगले दो साल तक जारी रह सकती है

फार्मास्युटिकल इंग्रीडिएंट (एपीआई), स्ट्रेडाइल फिल-फिनशि सुविधाएं, इंजेक्टर डिवाइस और खास तरह के ग्लास कार्ट्रिज शामिल हैं। उन्होंने कहा कि कंपनी के पास अगले 12 से 18 महीने के लिए ऑर्डरों की पूरी स्पष्टता है और उन्हें उम्मीद है कि मौजूदा विस्तार के बावजूद कम से कम दो साल तक क्षमता से जुड़ी दिक्कतें बरकरार रहेंगी। यह अंतर ऐसे समय आया है, जब व्यापार के आंकड़ों से पता चलता है कि सेमाग्लूटाइड का पेटेंट खत्म होने के बाद जो शुरुआती उत्साह था, वह अब ठंडा

पड़ने लगा है।

जेनेरिक दवाओं की शुरुआत से पहले स्टॉक जमा करने की जोरदार अवधि के बाद कई ब्रांडों का स्टॉक काफी बढ़ चुका है क्योंकि प्रिस्क्रिप्शन में बढ़ोतरी धीमी हो गई है।

उद्योग के अधिकारी बिक्री में इस कमी के लिए डॉक्टरों के ज्यादा सावधानी से दवालिखने और मोटापे के इलाज से जुड़ी

नियामकीय जांच में वृद्धि को जिम्मेदार मानते हैं। हालांकि सीडीएमओ का कहना है कि व्यापार माध्यमों में आई इस अस्थायी सुस्ती से लंबे समय की मांग के अनुमान में बदलाव नहीं आया है। इसकी वजह यह है

जून में ई–दोपहिया वाहनों में आई तेजी

सुरजीत दास गुप्ता
नई दिल्ली, 28 जून

टॉक्स मोटर्स और एथर एनर्जी जैसी कंपनियों ने आधुनिक इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की नई लहर शुरू की थी। इसके 10 साल बाद पहली बार इनकी पैठ 10 प्रतिशत का आंकड़ा पार कर गई है। वाहन पोर्टल के आंकड़ों के अनुसार जून में ई-दोपहिया पंजीकरण 1,62,321 पर पहुंच गया। यह सभी दोपहिया वाहनों के कुल 15.6 लाख पंजीकरणों का 10.36 प्रतिशत है। एक साल पहले इनकी पैठ 7.28 प्रतिशत और मई में 9.18 प्रतिशत थी। पंजीकरण सभी नए वाहनों की बिक्री के बाद होते हैं। बाजार में एक कमी है। अब तक इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों में ज्यादातर बिक्री स्कूटर की हुई है, न कि मोटरसाइकल की, जबकि आम तौर पर मोटरसाइकल ज्यादा बिकती हैं। सेंटर फॉर डिजिटल इकॉमी

पॉलिसी रिसर्च के शोध के अनुसार कैलेंडर वर्ष 25 में समूचे दोपहिया बाजार में तेज-गैस इंजन वाली मोटरसाइकलों की हिस्सेदारी दोपहिया वाहनों के कुल पंजीकरण में 64.4 प्रतिशत रही, जबकि तेज-गैस इंजन वाले स्कूटर की हिस्सेदारी 30 प्रतिशत रही। इलेक्ट्रिक स्कूटरों की हिस्सेदारी 5.5 प्रतिशत के स्तर पर थी।

हालांकि इलेक्ट्रिक मोटरबाइक की हिस्सेदारी बहुत कम यानी 0.1 प्रतिशत रही। इनमें से ज्यादातर बाइक उन कंपनियों ने बनाई थीं, जो इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए उत्पादन से जुड़ी प्रोसाहन (पीएलआई) योजना के दायरे से बाहर थीं। इन कंपनियों में अट्रुवायॉलेट, रिपल एनर्जी, रिवोल्ट, कबीरा मोबिलिटी और हॉप इलेक्ट्रिक शामिल हैं। लेकिन अब हालात बदल रहे हैं। बड़ी इलेक्ट्रिक ईवी कंपनियां अब इलेक्ट्रिक मोटरबाइक बाजार में उतरने की कोशिश कर रही हैं। ओला इलेक्ट्रिक पहले से ही

भोपाल | सोमवार, 29 जून 2026

बिज़नेस स्टैंडर्ड

एफएमसीजी: तेल में नरमी, मूल्य वृद्धि थमी

शालीन डिसूजा
मुंबई, 28 जून

दैनिक उपभोक्ता वस्तु (एफएमसीजी) क्षेत्र की कंपनियां कीमतें बढ़ाना टाल रही हैं, क्योंकि कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट आई है। कंपनियां भी बिक्री वृद्धि को झटका नहीं देना चाहतीं। कंपनियों के अधिकारियों का

कहना है कि अगर कच्चे तेल की कीमतें फरवरी के आखिर में शुरू हुए भू-राजनीतिक तनाव से पहले वाले स्तर पर आ जाती हैं, तो गिरावट की वजह से बाजार में और मूल्य वृद्धि की जरूरत नहीं है। उपभोक्ता सामानों की कंपनियों ने अपने मार्जिन पर कच्चे माल की बढ़ती लागत का असर कम करने के लिए तैयार माल की कीमतों में वृद्धि की थी।

अब कच्चे तेल की कीमत 80 डॉलर प्रति बैरल से नीचे चल रही है। इससे कंपनियों को कुछ राहत मिली है। साथ ही सितंबर में जीएसटी सुधार लागू होने के बाद कंपनियों ने उसका लाभ ग्राहकों को पहुंचाया है जिससे एफएमसीजी क्षेत्र में भी वृद्धि वापस दिखने लगी है।

बालाजी वेफर्स के संस्थापक और निदेशक चंद्र विरानी ने बिज़नेस स्टैंडर्ड को बताया, ‘हम छोटे पैकों में वजन कम करने और बड़े पैकों के दाम बढ़ाने की योजना बना रहे थे, लेकिन कच्चे तेल की कीमतें घटने के कारण हमने इसे रोक दिया है। पहले हम प्रतीक्षा और समीक्षा वाली स्थिति में थे। लेकिन अब हमने अपना रुख बदल लिया है।’

कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट के बीच कंपनियां टाल रही मूल्य वृद्धि

पार्ले प्रोडक्ट्स ने भी कच्चे माल की लागत बढ़ने के कारण बाजार में कीमत बढ़ोतरी का बोझ ग्राहकों पर डालने की अपनी योजना को टाल दिया है। पार्ले प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष मयंक शाह ने कहा, ‘कच्चे तेल की कीमतें कम हुई हैं और सभी दरें इरान-अमेरिका विवाद से पहले वाले स्तर पर आ जानी चाहिए। फिलहाल हम कीमतों में कोई बढ़ोतरी नहीं कर रहे हैं।’ उन्होंने बताया कि अन्य कंपनियों ने मूल्य वृद्धि की थी, लेकिन ऐसा लगता है कि कंपनियां अब कीमतों में वृद्धि करने की जल्दबाजी में नहीं हैं।

नाम न बताने की शर्त पर एक कंपनी के अधिकारी ने कहा कि मई से ही लागत वृद्धि शुरू हो गई थी और बाजार में वह वृद्धि पहले से ही है।

कुल पंजीकृत दोपहिया में ईवी की हिस्सेदारी	
वित्त वर्ष/महीना	ईवी की हिस्सेदारी (%)
2021	0.34
2022	1.87
2023	4.54
2024	5.40
2025	6.09
2026	6.57
अप्रैल 2026	7.84
मई 2026	9.18
जून 2026 (अब तक)	10.36
स्रोत: वाहन और सीडीपीआईआर	

किफायती दाम पर मोटरबाइक की पेशकश कर रही है, जबकि एनफील्ड कुछ हफ्तों में अपनी

इलेक्ट्रिक मोटरबाइक उतारने वाली है। एथर ने भी इसी तर्ज पर एलेान किया है। बजाज और टीवीएस भी अपनी इलेक्ट्रिक मोटरसाइकल पर काम कर रही हैं।

वित्त वर्ष 21 में इलेक्ट्रिक दोपहिया वाहनों की पैठ केवल 0.34 प्रतिशत थी। लेकिन वित्त वर्ष 23 में इसे बढ़ावा मिला और यह पिछले वित्त वर्ष के 1.87 प्रतिशत की तुलना में बढ़कर 4.54 प्रतिशत होा है।

हालांकि इलेक्ट्रिक दोपहिया बाजार तेजी से बढ़ रहा है, लेकिन फिर भी यह सरकार के कुछ उम्मीद भरे अनुमानों से काफी पीछे है। उदाहरण के लिए नीति आयोग तथा विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय के तहत आने वाले स्वायत्त निकाय टीआईएफएमसी (टेक्नॉलजी इंफॉर्मेशन एंड फोरकास्टिंग एंड असेसमेंट कार्डसिल) ने साल 2022 में अनुमान लगाया था कि ई-दोपहिया वित्त वर्ष 27 तक 100 प्रतिशत पैठ हासिल कर लेंगे।

सवाल जवाब

भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनना चाहते हैं हम

मेटा के उपाध्यक्ष (बुनियादी ढांचा) संतोष जनार्दन के लिए जामनगर में डेटा सेंटर में किया गया हालिया निवेश एक और बुनियादी ढांचा परियोजना से कहीं अधिक मायने रखता है। मुंबई में शिवानी शिंदे के साथ बताचीत में उन्होंने भारत की बढ़ती अहमियत, डेटा सेंटर के बदलते आर्किटेक्चर और डेटा सेंटर में किए गए हाल के निवेश के बारे में चर्चा की। प्रमुख अंश ...



मेटा की बुनियादी ढांचा कार्य-योजना में भारत कितना अहम है? हालांकि भारत में हमारी मौजूदगी लंबे समय से है, लेकिन पिछले साल हमने जो बड़े काम किए, उनमें से एक था 'प्रोजेक्ट वॉटरवर्थ'। भारत इसका एक बहुत बड़ा हिस्सा है। डेटा सेंटर एक और बड़ी वित्तीय प्रतिबद्धता है। मात्र वित्तीय प्रतिबद्धता से कहीं ज्यादा, यह

उन चीजों पर हमारे भरोसे को भी दिखाता है जिन्हें हम मानते हैं कि भारत सही दिशा में कर रहा है। यह बात भी बहुत कम लोग जानते हैं कि आज मेटा के राजस्व का एक बड़ा हिस्सा हमारे अपने सिलिकॉन पर आधारित है। इस काम का एक बड़ा हिस्सा बेंगलूरू में हमारी टीमों की तरफ से आता है। वे सिलिकॉन और फाउंडेशनल चिप डेवलपमेंट के कई काम

करती हैं। हम भारत की विकास गाथा का हिस्सा बनना चाहते हैं और मुझे लगता है कि हालात इसके लिए बिल्कुल सही हैं।

तकनीक के नजरिये से भारत पर ज्यादा ध्यान केंद्रित करने के मामले में मेटा की रणनीति में क्या बदलाव आया है? मैं पूरी तरह से सहमत नहीं हूं कि यह ऐसा कोई बहुत बड़ा बदलाव है जिसमें हमने अचानक तय कर लिया कि भारत अहम है। हम काफी समय से लगातार इस दिशा में चल रहे हैं। भारत में कुछ चीजें एक साथ आ रही हैं। पहला, भारत के भीत की ही चीजें। यह जनसंख्या लाभ वैश्विक मंच पर अद्वितीय है। डिजिटल की गहरी पैठ, मोबाइल तकनीक की दमदार दर है। हमने प्रभावी ढंग से अपनीकी परिवर्तन की एक पूरी पीढ़ी को पार कर लिया है। बहुत सारी प्रतिभा छिपी हुई है और इंजीनीयरिंग के लिहाज से तो काफी प्रतिभा है।

सरकार भी तकनीक को बढ़ावा दे रही है। आप क्लाउडसेप पर ट्रेन के टिकट खरीद सकते हैं, क्लाउसेप पर सरकारी दस्तावेजों तक पहुंच सकते हैं और अनोखे तरीकों से डिजिटल सेवाओं के साथ जुड़ सकते हैं। साथ ही कंपनियां नियामकीय स्पष्टता और नीतिगत स्थिरता चाहती हैं, जिससे आपको आत्मविश्वास मिलता है। ये सब चीजें एक साथ हैं और उन चीजों से मेल खाती हैं, जो कंपनियां करना चाहती हैं। बुनियादी ढांचे में निवेश 15 से 20 साल के लिए किया जाता है। आपको विश्वास होना चाहिए कि माहौल स्थिर रहेगा। तकनीकी नजरिये से देखें, तो हम अपने डेटा केंद्रों से दुनिया की सेवा करते हैं। परंपरागत रूप से बात करें, तो भारत की सेवा के लिए आपको भीतिक रूप से भारत में होने की जरूरत नहीं है। लेकिन जो चीज बदल रही है, वह यह है कि हमारे पास अच्छी तरह से जुड़ा वैश्विक नेटवर्क है। बुनियादी ढांचा निवेश बहुत अधिक है, अब डॉलर का और एक बार जब आया

प्रतिबद्धता जाताते हो हैं, तो यह दशकों के लिए होती है। भारत उन मापदंडों पर बहुत अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

क्या जामनगर में आ रहा नया डेटा सेंटर मौजूदा उत्पादों की पूर्ति करेगा या यह एआई वर्कलोड के लिए समर्पित होगा? दोनों के लिए होगा। जैसा कि मार्क (जकरबर्ग – मेटा प्लेटफॉर्म के मुख्य कार्य अधिकारी) कहते हैं मेरा काम भविष्य को सक्षम करना है, यह ठीक से जाने बिना ही कि भविष्य कैसा होगा। यह 15 से 20 साल का निवेश है। डेटा सेंटर कंपनी में हम में से कई लोगों से भी अधिक समय तक चलेगा।

भोपाल संस्करण: बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड के लिए प्रकाशक एवं मुद्रक नंदन सिंह रावत द्वारा पृथ्वीस दास, डी.बी. कॉर्पो लिमिटेड, प्लॉट नं. 10 व 11, सेक्टर बी, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा, भोपाल, म. प्र. 462023 से मुद्रित एवं सी/ओ अशोक कुमार जैन, शॉप नं. 1, पटेल मार्केट, संजम टॉकीज के समीप, भोपाल-462001 से प्रकाशित

संपादक : कैलाश नौटियाल/आरएसआई नं., MPHIN/2008/24603 पाठक संपादक को lettershindi@gmail.in पर संदेश भेज सकते हैं।

सबस्क्रिप्शन और संकुलेशन के लिए संपर्क करें... सुश्री मानसी सिंह हेड, कस्टमर रिलेशन्स बिजनेस स्टैंडर्ड प्राइवेट लिमिटेड, एच/4, बिल्डिंग एच, पैरगन सेंटर, बिड़ला सेंचुरियन के सामने, पी भी बाई, वर्ली, मुंबई-400013 ईमेल.. subs_bs@gmail.in या 575751 पर एसएमएस करें REACHBS कोई हवाई अधिभार नहीं